vinetur

इटली के नए ऊर्जा डिक्री से वाइनरी को राहत केवल कुछ बिजली अनुबंधों के तहत

प्रत्यक्ष सब्सिडी नहीं ; बचत हाजिर बाजार से जुड़ी बिजली दरों पर निर्भर करेगी, जबकि नियमों को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है

रविवार, 15 नवंबर 2026



बिजली और गैस पर इटली का नया डिक्री शनिवार, 14 नवंबर को लागू हुआ, लेकिन वाइनरी को इससे कोई राहत मिलेगी या नहीं, यह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि वे ऊर्जा कैसे खरीदती हैं—न कि किसी प्रत्यक्ष सरकारी सब्सिडी पर।

यह उपाय, शुक्रवार, 13 नवंबर का डिक्री-कानून संख्या 207, इटली के आधिकारिक राजपत्र संख्या 265 में प्रकाशित हुआ। इसमें गैस से चलने वाले तापविद्युत संयंत्रों के लिए प्रतिपूर्ति व्यवस्था में बदलाव किया गया है। इसका घोषित

उद्देश्य बिजली उत्पादन की लागत पर अंकुश लगाना और थोक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी पेशकशों को बढ़ावा देना है। वाइनरी सहित बिजली खरीदने वाले कारोबारों पर इसका व्यावहारिक असर अप्रत्यक्ष है : इस डिक्री के तहत उत्पादकों को अपने बिजली बिल घटाने के लिए आवेदन करके भुगतान पाने की कोई व्यवस्था नहीं बनाई गई है।

यह अंतर वाइन कंपनियों के लिए अहम है, क्योंकि वे परिचालन लागत के बढ़ते दबाव का सामना कर रही हैं। रेफ्रिजरेशन, तापमान नियंत्रण, बोतलबंदी और वाइनरी के अन्य कामों के लिए बिजली और गैस की केंद्रीय भूमिका है, जबकि कई उत्पादकों के पास बोतलों की कीमतें बढ़ाकर लागत में हुई वृद्धि ग्राहकों पर डालने की गुंजाइश बहुत कम है। इसलिए ऊर्जा लागत में कोई भी कमी मुनाफे के लिए मायने रख सकती है, लेकिन डिक्री बिलों में एकसमान गिरावट का वादा नहीं करती।

असर का अंतर सबसे स्पष्ट रूप से अनुबंध के प्रकार के आधार पर दिखेगा। नए नियमों के तहत, अतिरिक्त प्रतिपूर्ति व्यवस्था के वित्तपोषण के लिए इस्तेमाल होने वाले विशिष्ट शुल्क अंतिम ग्राहकों पर तभी डाले जा सकते हैं, जब खपत बिजली की उन कीमतों से जुड़ी हो जो हाजिर बाजार के अनुसार तय होती हैं—और वह भी डिक्री में निर्धारित सीमाओं के भीतर। तय कीमत वाले अनुबंधों पर काम करने वाली कंपनियों पर इसका असर, सूचकांक से जुड़ी दरों वाले अनुबंधों की तुलना में अलग हो सकता है। यह अंतर आपूर्ति समझौतों की शर्तों और संबंधित शुल्कों को लागू करने के आपूर्तिकर्ताओं के तरीके पर निर्भर करेगा।

डिक्री ऊर्जा बिल की हर मद पर एक जैसा लागू नहीं होता। इसलिए कारोबार यह मानकर नहीं चल सकते कि ऊर्जा वस्तु की कीमत में बदलाव से कुल देय राशि में भी अपने-आप वैसी ही कमी आएगी। नेटवर्क शुल्क, परिवहन मदें और अन्य घटक अंतिम लागत में शामिल रहेंगे। इस उपाय का आकलन कर रही वाइनरी के लिए अहम सवाल सिर्फ यह नहीं है कि थोक बाजार में कीमतें बदलती हैं या नहीं, बल्कि यह भी है कि उनके अनुबंधों के तहत बिल के किन हिस्सों पर असर पड़ता है।

इसे लागू करने के लिए आगे और कदम उठाए जाने बाकी हैं। 1 जनवरी, 2027 से गैस परिवहन के अतिरिक्त घटक उन शुल्कों में शामिल होंगे जिनकी प्रतिपूर्ति तापविद्युत उत्पादकों को की जा सकती है। 30 नवंबर तक इटली की ऊर्जा, नेटवर्क और पर्यावरण नियामक प्राधिकरण, जिसे ARERA के नाम से जाना जाता है, को यह तय करना होगा कि अंतिम ग्राहकों के गैस शुल्क घटाने के लिए संसाधनों का इस्तेमाल कैसे किया जाएगा। ये नियामकीय समय-सीमाएं हैं, वाइनरी या अन्य कारोबारों के लिए आवेदन की तारीखें नहीं।

डिक्री को अभी कानून में बदलने की प्रक्रिया से भी गुजरना है—यह इटली की विधायी प्रक्रिया का सामान्य, लेकिन महत्वपूर्ण चरण है। ऐसा होने तक उत्पादकों को नियमों के अंतिम स्वरूप को लेकर अनिश्चितता रहेगी। कानून में बिना बड़े बदलावों के रूपांतरण हो भी जाए, तब भी यह उपाय हर कंपनी के लिए समान बचत की गारंटी नहीं देता, क्योंकि लाभ बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव और हर कंपनी के आपूर्ति अनुबंध की संरचना पर निर्भर करेगा।

कई वाइनरी के लिए इसका मतलब है कि ऊर्जा प्रबंधन नियामकीय बदलाव जितना ही महत्वपूर्ण बना रहेगा। वाइन कारोबारों के लिए ऊर्जा दक्षता संबंधी मार्गदर्शन में इटली की ENEA के हवाले से दिए गए विश्लेषण के मुताबिक, वाइनरी में इस्तेमाल होने वाली ऊर्जा का लगभग 90% हिस्सा बिजली है और रेफ्रिजरेशन तथा तापीय नियंत्रण कुल खपत का लगभग 50% है। इसका अर्थ है कि बिजली की लागत में मामूली बदलाव भी परिचालन पर स्पष्ट असर डाल सकता है। खासकर ऐसे क्षेत्र में, जहां शीतलन, नियंत्रित किण्वन और तापमान की स्थिरता वैकल्पिक खर्च नहीं, बल्कि उत्पाद की अनिवार्य जरूरतें हैं।

ENEA का वही मार्गदर्शन दक्षता उपायों का आकलन जरूरी निवेश, अपेक्षित बचत और लागत-वसूली की अवधि के आधार पर करता है। इससे यह रेखांकित होता है कि बिल में राहत बाजार के नियमों के साथ-साथ उपकरणों और प्रक्रियाओं से जुड़े फैसलों से भी मिल सकती है। व्यावहारिक रूप से, वाइनरी को डिक्री के असर की सबसे स्पष्ट तस्वीर अपनी वास्तविक खपत के पैटर्न की तुलना आपूर्ति अनुबंध की शर्तों और रेफ्रिजरेशन जैसी अधिक ऊर्जा खपत करने

वाली प्रणालियों के प्रदर्शन से करने पर मिलेगी—न कि बचत के व्यापक दावों पर भरोसा करने से।

इटली के पेय उत्पादकों के लिए व्यापक रूप से देखें तो यह डिक्री उत्पादन लागत की सबसे संवेदनशील मदों में से एक से जुड़ा है। वाइन इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण है, क्योंकि तहखाने के कामकाज में बिजली की बड़ी भूमिका होती है। लेकिन यही दबाव पेय क्षेत्र के उन अन्य कारोबारों पर भी लागू होता है जो शीतलन, नियंत्रित तापमान और बोतलबंदी की लाइनों का इस्तेमाल करते हैं। नए नियम इस बोझ को कम करेंगे या नहीं, यह रोम से की गई बड़ी घोषणा से कम और थोक कीमतों के रुझान, आपूर्तिकर्ताओं की कार्यप्रणाली तथा हर कंपनी के अनुबंध के मेल पर अधिक निर्भर करेगा।